



क्लासमेट को सेक्स के लिए पटाया

“मेरी क्लास की एक लड़की को देखके मेरा मन थोड़ा ललचा रहा था. हालांकि मैं तय नहीं कर पा रहा था कि वो मुझे पसंद करती है या नहीं. मैंने कैसे उससे दोस्ती करके उसे होटल लेजाकर चोदा. ...”

Story By: Vishal rao (Vshalrao)

Posted: Monday, February 11th, 2019

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [क्लासमेट को सेक्स के लिए पटाया](#)

क्लासमेट को सेक्स के लिए पटाया

नमस्कार, मेरा नाम विशाल है. मैं वडोदरा, गुजरात का रहने वाला हूं. मैं शरीर से पतला हूं, लेकिन स्टेमिना अच्छा रखता हूं. मेरी पिछली कहानियों

ट्रेन में बुर्के वाली की चूत चुदाई की

भाभी की चुदाई के लिए वक्त नहीं था भाई के पास

को आप लोगों ने खूब सराहा, इसके लिए आप सबका धन्यवाद.

मैं राजनीति शास्त्र का छात्र हूं, इसी अभ्यास के दौरान मुझे एक माह के लिए इन्टर्नशिप करनी थी, जिसमें मुझे मेरे ग्रुप के साथ अलग अलग जगह पे काम करना होता था. मेरे ग्रुप में तीन लड़के और दो लड़कियां थीं. वैसे मैं अभ्यास के समय लड़कियों के बारे में नहीं सोचता था. लेकिन मेरे ग्रुप की एक लड़की, जिसका नाम साजिदा था, उसको देखके मेरा मन थोड़ा ललचा रहा था. हालांकि मैं तय नहीं कर पा रहा था कि वो मुझे पसंद करती है या नहीं. इसीलिए मैंने पहले बातचीत कर उससे घुलना मिलना शुरू किया, जिससे मैं उसे अपने करीब ला सकूं. मैंने उससे बातचीत करके अपने करीब थोड़ा ला दिया था और वो भी मेरे साथ कुछ ज्यादा ही घुलमिल गई थी.

अब हम दोनों क्लास खत्म होने के बाद गार्डन या पार्क में चले जाते थे और काफी समय शाम में देर तक साथ में ही रहते थे. कुछ ही समय में मुझे लगने लगा था कि वो मुझे पसंद कर रही है क्योंकि पार्क में वो मुझसे चिपक के बैठती थी और कभी कभी अपना हाथ मेरे हाथ से टच कर देती थी.

अगले हफ्ते उसका बर्थडे आने वाला था, तो उसने मुझसे बोला कि इस बार बर्थडे पे वो नाइट आउट करना चाहती है.

तब मैंने भी मन बना लिया कि इस बर्थडे पे इसे गिफ्ट में मैं अपना लंड दूंगा.

उस दिन बर्थडे पे हम दोनों सभी क्लास खत्म करके नाइट आउट के लिए बाहर निकल गए. मैंने उसके लिए पहले से सब तय करके रखा था, जिसके मुताबिक पहले हम लोग नाइट के शो में मूवी देखने गए. फिर उसके बाद डिनर करके लम्बी ड्राइव के लिए निकल गए. फिर देर रात मैंने एक होटल में कमरा बुक करके रखा था, वहां चले गए.

कमरे में पहुंचने के बाद आराम करते हुए मैंने बेड पे उसके पास बैठ गया और उससे बातें करना शुरू कर दिया.

मैं- क्या तुम्हें नींद आ रही है ?

साजिदा- नहीं ... और तुम्हें ?

मैं- नहीं, मुझे भी नहीं आ रही, इसीलिए तो पूछ रहा हूं, चलो कुछ बातें करते हैं.

उसने हां में सर हिलाया तो मैंने उससे इधर उधर की बातें करना शुरू कर दीं.

मैं उससे उसकी पसंद नापसंद के बारे में पूछने लगा, तो बोली- तुम्हें मेरी पसंद और नापसंद सभी के बारे पहले से ही मालूम है.

मैंने अचरज से पूछा- मुझे कब बताया था तुमने ?

साजिदा मुस्कुराते हुए बोली- तुम मेरे मन की बात पढ़ लेते हो, यही तो मुझे पसंद है.

मैंने फिर से पूछा- मैंने तुम्हारे मन की कौन से बात पढ़ ली है यार, जरा खुल कर बताओ न ?

साजिदा बोली- जब मैंने तुमसे कहा था कि मुझे इस बार अपने बर्थडे पर नाईट आउट करना है, तब तुमने मेरे लिए मेरी बर्थडे पर मेरे मन का सारा इंतजाम किया है. मुझे बड़ी ख्वाहिश थी कि मैं किसी मूवी का लेट नाईट शो देखूं, तुमने मुझे उसी वक्त मूवी दिखाई, मेरा साथ दिया. फिर तुम मुझे लम्बी ड्राइव पर ले गए.. और इतना सब होने के बाद भी तुम ...

इतना कह कर वो कुछ बोलते बोलते रुक गई.

मैंने उसे कुरेदा- हां हां बोलो न.. इतना सब होने के बाद मैंने क्या किया ?
साजिदा ने लज्जा से सर नीचे कर लिया.
मैंने समझ लिया कि ये कुछ कहना चाहती है लेकिन शरमा रही है.

मैंने फिर से पूछा- बोलो न.. अपनी बात पूरी करो प्लीज़ !
वो कुछ देर चुप रही. मैं उसकी आंखों में आंखें डाल कर उसे पढ़ने की कोशिश करता रहा.

थोड़ी देर चुप रहने के बाद उसने मुझसे पूछा- क्या तुम्हारी कोई गर्लफ्रेंड है ?
मैं- ना.. ऐसी कोई लड़की नहीं मिली, जो मुझे पसंद करे.

उसके बाद वो मेरी ओर एकटक देखने लगी. फिर उसने पूछा- तुमको कैसी लड़की पसंद है ?

मैंने कहा- तुम जैसी.

वो शर्मा गई और उसने अपनी आंखें झुका लीं.. जिसे मैंने उसका इशारा समझते हुए उसे अपनी ओर खींच लिया और लिप पर किस करने लगा.

उसने भी मेरी इस बात का विरोध नहीं किया और मेरा साथ देने लगी.

ज्यादा देर न करते हुए मैंने उसके टॉप में अपना हाथ घुसाकर ब्रा के ऊपर से ही उसके बोबे मसलना चालू कर दिया. आपको बता दूं कि उसके मम्मे की साइज काफी मस्त है, ये 36 डी नाप के हैं. उसके रसीले मम्मों को दबाने में मुझे बहुत ही मजा आ रहा था.

धीरे धीरे वो भी गर्म हो रही थी और उसकी सांसें भी गरम हो रही थीं, जिसकी वजह से वो कभी मेरे होंठों को काटती या फिर मेरे नेक पर काटती. इससे मुझे और भी जोश आ रहा था. मैंने उसके सारे कपड़े उतारकर उसे बिल्कुल नंगी कर दिया था और खुद भी अंडरवियर में आ गया.

वो मुझसे लिपट गई और मुझे 'आई लव यू..' कहने लगी. मैंने भी उसे 'आई लव यू टू..' कहते हुए स्मूच करना शुरू कर दिया. हमारी जीभ आपस में लड़ने लगीं. हम दोनों एक दूसरे के मुँह की लार को चूसते हुए प्यार करने लगे.

इसके बाद मैंने उसे हर जगह खूब ज्यादा चूमा चाटा. फिर मैं उसकी टांगें फैलाकर उसकी चूत को अपनी जीभ से चाटने लगा, जिससे वो बेकाबू होकर मेरे बाल नोंचने लगी. वो अपनी गांड उठा कर अपनी पूरी चूत मेरे मुँह में घुसेड़ देना चाहती थी. मैं भी उसकी पूरी चूत को भर भर के चूसने लगा. थोड़ी देर में ही उसकी चूत का पानी निकल गया और वो शांत हो गयी. मैंने उसकी चूत का पूरा पानी चाट लिया और उसकी चूत को लगातार चाटता रहा. इससे उसकी चूत फिर से गरमा गई.

इससे मेरा लंड भी कड़क होकर बेकाबू होने लगा. मैंने अपना लंड बाहर निकालकर उसके मुँह में दे दिया, पहले तो धीरे धीरे चूम सी रही थी, लेकिन बाद में उसे मेरे लंड का स्वाद अच्छा लगने लगा, तो वो मजे से लंड को चाट रही थी. मैं उसके मुँह में काफी अन्दर तक लंड पेलने लगा और वो भी मुझे मेरी गोटियों को सहलाते हुए लंड चुसाई का मजा देने लगी.

कुछ ही देर मैं उसके बोबे मसल कर अपनी उत्तेजना जाहिर की. उसने मेरा लंड चूसना नहीं छोड़ा, तो मैंने अपना माल उसके मुँह में ही निकाल दिया. शायद उसको मेरा माल पीना अच्छा लगा.

मैं खुद भी लंड चुसाने के बाद उसके मुँह में मुँह लगाकर उसके मुँह में पड़ा, मेरा रस चाट कर उसको मजा देने लगा.

कुछ ही मिनट बाद हम दोनों फिर से रेडी हो गए थे. अब मैं उसके ऊपर आ गया और अपने लंड को उसकी चूत के मुँह पे रख कर एक जोर का धक्का देते हुए आधा लंड उसकी चूत में

उतार दिया. वो मेरे धक्के को सहन नहीं कर पायी और उसके मुँह से जोर की चीख निकल गयी.

मैंने उसके दोनों हाथ पकड़ लिए, जिससे वो ऊपर खिसक न सके और दूसरा जबरदस्त धक्का देकर पूरा लंड चूत में उतार दिया. वो जोर से चिल्लायी और अपने पैर पटकने लगी. मैंने उसके दर्द पर ध्यान न देते हुए धकापेल चुदाई चालू कर दी.

मैंने उसकी चूत में धक्के पे धक्के देना शुरू कर दिया और बिल्कुल जबरदस्त वाली टुकाई करने लगा. वो जोर जोर से चिल्ला रही थी, जिससे मुझे और भी जोश आ रहा था और मैं दमदार धक्के लगा रहा था.

करीब पन्द्रह मिनट की चुदाई के बाद मैं उसकी चूत में ही झड़ गया और थोड़ी देर उसके ऊपर ही लेटा रहा.

हम दोनों ने उसी होटल के कमरे में नंगे ही लेटकर रात बितायी.

उस दिन के बाद मैंने करीब दो तीन बार उसे फिर से चोदा था. इस घटना के बाद तो मेरी और उसकी चुदाई चल पड़ी थी.

यह थी साजिदा की चूत में मेरे लंड का सिजदा करने वाली चुदाई की कहानी, आपको मेरी कहानी अच्छी लगी या नहीं ... प्लीज़ मुझे मेल जरूर करें.

vshalrao83@gmail.com

Other stories you may be interested in

किस्मत से मिली कॉलेज गर्ल की चूत-1

नमस्कार दोस्तो, आपका दोस्त राज कार्तिक एक बार फिर से एक ताजा कहानी लेकर आया है। कहते हैं ना जब जब जो जो मिलना है सो सो तब तब मिलता है। ऐसा ही हुआ इस बार मेरे साथ भी। कहानी [...]

[Full Story >>>](#)

सर बहुत गंदे हैं-1

आप लोगों ने मेरी पिछली कहानियों कलयुग का कमीना बाप और माँ बेटी की मज़बूरी का फायदा उठाया को बहुत पसंद किया जिसके लिए सभी का धन्यवाद। यह कहानी मेरे पड़ोस की मेरी भाभी की है जिनकी पिछले साल शादी [...]

[Full Story >>>](#)

पड़ोसन भाभी के साथ चुदाई की एक रात

नमस्ते जी, मेरा राहुल राज है और मैं कोटा से हूँ। अभी फिलहाल प्रेजुएशन के सेकंड इयर में हूँ। ये मेरी पहली चुदाई की कहानी है और पूरी तरह सच्ची है। ये बात उन दिनों की है, जब मैं बारहवीं [...]

[Full Story >>>](#)

फुफेरी भाभी को दारू पिला कर चोदा

दोस्तो, अन्तर्वासना पर ये मेरी पहली कहानी है। मेरा नाम विजय है। वैसे तो मैं जयपुर से हूँ, लेकिन फाइनेंस बैंक में एरिया सेल्स मैनेजर होने की वजह से पूरे राजस्थान में घूमा हूँ। मेरी लम्बाई 5 फुट 11 इंच [...]

[Full Story >>>](#)

गर्ल फ्रेंड की सील तोड़ी उसके घर पर

चूत की रानियों और ठरकी सज्जनों को मेरा प्रणाम। मैं टोनी, सोनीपत हरियाणा से एक बार फिर अपनी दूसरी कहानी लेकर आप लोगों की सेवा में हाज़िर हूँ। मेरी पहली कहानी चाची की कामवासना और सेक्स को भरपूर प्यार देने [...]

[Full Story >>>](#)

